



औद्योगिक विकास विभाग

उत्तरांचल शासन।

संख्या 596/औ.वि./07-उद्योग/2005-06

दिनांक : देहरादून : 17 फरवरी, 2006

कार्यालय ज्ञाप

औद्योगिक विकास विभाग, उत्तरांचल शासन के परिपत्र संख्या-940/औ.वि./07-उद्योग/2004-05 दिनांक 9/10 नवम्बर, 2004 द्वारा निजी क्षेत्रों में औद्योगिक आस्थानों/क्षेत्रों के विकास के लिए जारी नीति/दिशा निर्देशों के अधीन में, उत्तम शुगर मिल्स लि., नेशनल हाईवे 58, ग्राम-लिब्रहंडी, तहसील-रुड़की, जिला-हरिद्वार, प्रवर्तक में, उत्तम इण्डस्ट्रियल पार्क द्वारा ग्राम-मुन्डियाकी, कुलचन्दी, खुण्डी व दहियाकी, परगना-मंगलौर, तहसील-रुड़की, जिला-हरिद्वार में चिह्नित/संक्रमित 63.94 एकड़ (25.8765 हैक्टेयर) भूमि, जिसके खसरा नंबर अनुलग्नक-1 में उल्लिखित हैं, की सीमा निरंतरता में 30 एकड़ से अधिक होने के फलस्वरूप एतद्वारा निम्न प्रतिबन्धों एवं शर्तों के साथ में, उत्तम इण्डस्ट्रियल पार्क नाम से निजी क्षेत्र का औद्योगिक आस्थान/क्षेत्र घोषित/अधिसूचित किया जाता है :-

1. इस ज्ञाप के अनुलग्नक-1 में उल्लिखित भूमि के खसरा नंबर भारत सरकार की अधिसूचना संख्या-50/2003-के.उ.शुल्क दिनांक 10 जून, 2003 के Annexure-2 की प्रविष्टि संख्या-5, जिला-हरिद्वार में Category-C "Industrial Activity in Non Industrial Area (to be notified along with extension)" के अन्तर्गत क्रमांक-7, 8, 9 व 10 पर क्रमशः ग्राम-कुलचन्दी, खुण्डी, मुन्डियाकी व दहियाकी, तहसील-रुड़की के अन्तर्गत अधिसूचित हैं तथा जिसे भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना संख्या-27/2005-केन्द्रीय उत्पाद दिनांक 19 मई, 2005 के Annexure-2, Para-G(iii)(a) से "Industrial Activity in Non Industrial Area" में प्रतिस्थापित (substituted) किया जा चुका है। अतः भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 19 मई, 2003 के Para-2(a) & (b) में दी गई व्यवस्थानुसार उक्त शीर्ष के अन्तर्गत Annexure-2 में सम्मिलित/अधिसूचित भूमि के खसरा नम्बरों में दिनांक 7-1-2003 के पश्चात् स्थापित होकर उत्पादन प्रारम्भ करने वाली नई औद्योगिक इकाईयों (नकारात्मक सूची को छोड़कर) भारत सरकार द्वारा घोषित विशेष पैकेज का लाभ अनुमन्य होगा।

2. इस आस्थान की भूमि आस्थान के प्रवर्तक कम्पनी में, उत्तम शुगर मिल लि. के नाम खसरा खतौनी में दर्ज है तथा जमींदारी विनाश अधिनियम की धारा-143 के अन्तर्गत भूमि के खसरा नम्बरों को औद्योगिक भूमि घोषित किया गया है। अतः आस्थान के रख-रखाव, अवस्थापना सुविधाओं के विकास का कार्य, आस्थान के प्रवर्तक द्वारा स्वयं किया जायेगा तथा उद्योगों हेतु भूमि आवंटन/विक्रय के लिए सक्षम प्राधिकारी से नियमतः स्वीकृतियाँ/अनुमति प्राप्त की जायेगी।

3. आस्थान के नियोजित विकास हेतु निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व GDCR-2004 के उपबन्धों के अनुरूप (i) कृषि भू-उपयोग से औद्योगिक भू-उपयोग परिवर्तन सुनिश्चित कराना होगा और (ii) तत्पश्चात् मानचित्र व विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत करानी होगी।

औद्योगिक विकास विभाग,
उत्तरांचल शासन।
संख्या 596/औ.वि./07-उद्योग/05-06
दिनांक : देहरादून : 17 फरवरी, 2006

निजी औद्योगिक आस्थान का नाम एवं स्थल :

मै. उत्तम इण्डस्ट्रियल पार्क,
ग्राम-मुन्डियाकी, कुलचन्दी, खुण्डी व दहियाकी,
परगना-मंगलौर, तहसील-रुड़की, जिला-हरिद्वार।

(क) भारत सरकार की अधिसूचना संख्या-50/2003-के.उ.शुल्क दिनांक 10 जून, 2003 के Annexure-2 की प्रविष्टि संख्या-5, जिला-हरिद्वार में Category-C "Industrial Activity in Non Industrial Area (to be notified along with extension)" के अन्तर्गत क्रमांक-7, 8, 9 व 10 पर ग्राम-मुन्डियाकी, कुलचन्दी, खुण्डी व दहियाकी, परगना-मंगलौर, तहसील-रुड़की, जिला-हरिद्वार के अन्तर्गत अधिसूचित खसरा नम्बर, जिन्हें भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना संख्या-27/2005-केन्द्रीय उत्पाद दिनांक 19 मई, 2005 के Annexure-2, Para-G(iii)(a) से "Industrial Activity in Non Industrial Area" में प्रतिस्थापित (substituted) किया गया है, का विवरण :

राजस्व ग्राम का नाम	खसरा नंबर	भूमि का क्षेत्रफल (एकड़ में)
दहियाकी	1, 89, 90	3.5477
खुण्डी	38, 39, 40, 41, 42, 44 से 77	26.0577
कुलचन्दी	106 से 111, 118	33.2392
मुन्डियाकी	349	1.0986
कुल क्षेत्रफल :-		63.9432

for
(संजीव चोपड़ा)
सचिव।

4. आवंटियों के पक्ष में की जाने वाली conveyance deed/sale deed की प्रति, जिसमें आवंटन की शर्तों एवं मानकों का उल्लेख हो, की प्रति निदेशक उद्योग को उपलब्ध करायी जायेगी।
5. औद्योगिक आस्थान के प्रवर्तकों/आवंटी औद्योगिक इकाईयों द्वारा आस्थान में उद्योग स्थापना के उपरान्त उद्योग में 70 प्रतिशत रोजगार/सेवायोजन स्थानीय व प्रदेश के लोगों को उपलब्ध कराया जायेगा।
6. निजी क्षेत्र के औद्योगिक आस्थान के विकास हेतु औद्योगिक विकास विभाग, उत्तरांचल शासन द्वारा समय-समय पर जारी सामान्य दिशा निर्देशों एवं मानकों का पूर्णतः पालन करना आवश्यक होगा।
7. निजी औद्योगिक आस्थान के विनियमन तथा निर्देशों के क्रियान्वयन हेतु समय-समय पर कार्यकारी निर्देश जारी करने के लिए उद्योग निदेशक, उत्तरांचल सक्षम प्राधिकारी होंगे।

62/100
(संजीव चोपड़ा)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या 596/उक्त/तददिनांकित 17-2-06

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
2. संयुक्त सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति संवर्द्धन विभाग), उद्योग भवन, नई दिल्ली।
3. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल राज्य ऊर्जा निगम, ऊर्जा भवन, देहरादून।
4. मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, देहरादून।
5. अध्यक्ष समस्त उद्योग संघ, उत्तरांचल।
6. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
7. प्रबन्ध निदेशक, सिडकुल, देहरादून।
8. मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक, उत्तरांचल, देहरादून।
9. सचिव, उत्तरांचल पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण परिषद, देहरादून।
10. समस्त महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र।
11. मै. उत्तम शुगर मिल्स लि. नेशनल हाईवे 58, ग्राम-लिम्बरहेड़ी, तहसील-रुड़की, जिला-हरिद्वार।
12. निदेशक उद्योग, उत्तरांचल।
13. NITC Uttarakhand : इस अनुरोध के साथ की अधिसूचना को वेबसाईट पर प्रसारित कर दें।

62/100
(संजीव चोपड़ा)
सचिव।